

ये अव्यक्त इशारे

महान बनने के लिए मधुरता और नम्रता का गुण धारण करो

24-04-2026

आपका एक एक बोल अलौकिक हो, फरिश्तों के समान हो। हर बोल मधुर हो। इस बात पर अभी अन्डरलाइन करो तब प्रत्यक्षता होगी क्योंकि अभी तक वाणी की शक्ति व्यर्थ जा रही है, इसलिए वाणी में जो बाप को प्रत्यक्ष करने का जौहर वा शक्ति होनी चाहिए वह कम है, वाचा को व्यर्थ से बचाओ तो बाप को प्रत्यक्ष करने का आवाज बुलन्द होगा।

**Imbibe the virtues of sweetness and humility
to become great.**

**Let your every word be alokik, like that of an angel.
Let every word be sweet. Underline this aspect,
for only then will revelation take place, because
until now the power of words has been going to
waste. Therefore, the power that there should be
in revealing the Father is lacking. When you save
your words from going to waste, the sound of the
Father's revelation will be heard loud and clear.**